Title : Need to provide financial package to the flood affected districts of Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): सभापति महोदय, यह सार्वभौम सदन इतिहास की उन गाथाओं का गवाह है जहां देश की घटनाएं जीवन्तता लेकर यहां आती हैं और समाधान पाती हैं। 21वीं सदी के इस प्रारंभ में बिहार में वह भीषण त्रासदी कुशाह बांध टूटने के कारण कोसी की प्रलंयकारी बाढ़ ने 35 लाख लोगों की जिंदगी उजाड़ दी, उनके घर विस्थापित हो गए, उनकी धरती बंजर हो गई, उनके स्कूल और कॉलेज ढह गए, चार महीने तक उस राज्य की सरकार ने उन्हें पनाह देकर रखा। स्वयं प्रधान मंत्री जी और सोनिया जी उस त्रासदी को देखने गईं। उन्होंने महसूस किया कि यह राष्ट्रीय त्रासदी है। भारत सरकार इसके लिए चिन्तित है, गंभीर है। मैं बड़ी पीड़ा के साथ कहना चाहता हूं कि इस देश में वह सरकार है जिसके पीछे इतिहास है, जिसके पीछे आजादी की दास्तां है, वह सरकार अभी केन्द्र में है और उसके काल में उस सरकार के प्रधान मंत्री कहें कि राष्ट्रीय विपदा है, लेकिन वे कुछ नहीं करें। आज भी जाड़े की रात है। लाखों लोग बेसहारा होकर बिना छाया के पड़े हुए हैं। हम आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहता हैं कि राज्य सरकार ने 14,500 करोड़ रुपये, उनके घर बनाने, स्कूल बनाने, उनके खेत की बंजर जमीन को समाप्त करने के लिए जो पैकेज दिया है, जिसके पीछे सम्पूर्ण देश की जनता की आस्था है, सम्पूर्ण देश के राज्यों की सरकारें उसके साथ नैतिकता से जुड़ी हुई हैं। हम आपके और इस सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से आग्रह करना चाहते हैं कि कम से कम वह अपने दामन को नहीं जलाए, अपने दामन को कलंकित नहीं करे। जनता उनकी है, बिहार ने कोई अपराध नहीं किया, बिहार ने संवैधानिक प्रावधानों के अंदर कार्य किया है। इसलिए हम चाहते हैं कि 14,500 करोड़ रुपये का जो पैकेज केन्द्र सरकार के सामने प्रस्तावित है, वह उसे स्वीकार करे और इस पीड़ा को दूर करे।